जिलाधिकारी महोदय आगरा की अध्यक्षता में दिनांक 06.05.2026 को आयोजित जल जीवन मिशन (फेस–4) के अन्तर्गत सतही स्त्रोत आधारित पेयजल योजना में कराये जा रहे कार्यों की समीक्षा बैठक का कार्यवृत्त।

जिलाधिकारी महोदय की अध्यक्षता में दिनांक 06.05.2026 को जिलाधिकारी कैम्प कार्यालय पर समीक्षा बैठक सम्पन्न हुई। बैठक में श्री जुबेर बेग, अपर जिलाधिकारी(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति), श्री अमित कटियार, अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण), श्री दीपांशु तेवतिया, अधिशासी अभियंता(वि0/या0) उ0 प्र0 जल निगम, डॉ मुकीम चौधरी, मुख्य चिकित्सा अधिकारी कार्यालय, श्री महेन्द्र पाल सिंह, लघु सिंचाई, श्री दीपक कुमार, भू गर्भ जल विभाग, श्री जितेन्द्र कुमार गौड़, बेसिक शिक्षा विभाग, श्री शैलेन्द्र कुमार शर्मा, जिला सूचना अधिकारी, श्री अंकुर पटेल, सहायक अभियंता, नलकूप खण्ड आगरा, श्री पंकज अग्रवाल, सहायक अभियंता, सिंचाई विभाग, श्री कुमुद ग्रोवर, जिला विद्यालय निरीक्षक, श्री रविन्द्र कुमार जैन, डी.पी.एम, टीपीआई, श्री आनन्द कुमार सिंह, डिस्ट्रिक्ट कोडिनेटर, डीपीएमयू, कार्यदायी संस्था मै0 एन0सी0सी0 लि0 से श्री पी.एस. पाण्डेन, चीफ मैनेजर, श्री शिवरामराजू, डीपीएम, मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 से श्री अमित कुमार रॉय, प्रोजेक्ट मैनेजर और मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0 से श्री अमित पाण्डे, प्रोजेक्ट मैनेजर उपस्थित रहे।

अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा दोनों निर्माणाधीन परियोजनाओं की भौतिक प्रगति एवं मै0 दारा इंजीनियरिंग के द्वारा 89 नग पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव की प्रगति के सम्बन्ध में निम्नलिखित रूप से बताया गया:–

<u>मै0 एन0सी0सी0–एप्को(जे0वी0), पैकेज–01</u>

1. **भूमिगत जलाशय (CWR) की प्रगति**– अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत मै0 एन0सी0सी0 द्वारा कुल 17 सी0डब्ल्यू0आर0 का निर्माण कार्य कराया जा रहा है। जिसमें से 14 नग सी0डब्ल्यू0आर0 के सिविल कार्य पूर्ण कर फिनिशिंग एवं विधुत/यांत्रिकी कार्य कराये जा रहे है तथा शेष 03 नग सी0डब्ल्यू0आर0 के सिविल कार्य आगामी 02 माह में पूर्ण कर लिये जाने की सम्भावना है। जिसकी कुल भौतिक प्रगति 91 प्रतिशत है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा मै0 एन.सी.सी के जे.जी.एम को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए सर्वोच्च प्राथमिकता पर कार्य पूर्ण कराये।

2. **पाइप लेइंग** – अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 एन.सी.सी एप्को(जे0वी0) 1967.71 किमी पाइप बिछाये जाने के सापेक्ष में 1349.00 किमी का कार्य पूर्ण हो चुका है। जिसमें से MS Pipe 165.31 किमी0 एवं DI Pipe 1802.40 किमी0 बिछाया जाना प्रस्तावित है। MS Pipe 165.03 किमी0 एवं DI Pipe 1802.36 किमी0 पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा MS Pipe 84.67 किमी0 एवं DI Pipe 1264.33 किमी0 पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा जे0जी0एम0 एन0सी0सी0 को निर्देशित किया गया कि पाइप लेइंग की गहराई मानक के अनुसार ही की जाये इसके साथ ही एम.एस पाइप की ज्वाईंटिंग एवं बेल्डिंग अनुबन्ध के अनुसार आई.एस. कोड में निहित मानकों के अनुसार की जायें तथा टीम व मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए, स्वीकृत ड्राइंग एवं डिजाइन तथा गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

3. **रोड़ रेस्टोरेशन**– अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 एन.सी.सी एप्को(जे0वी0) द्वारा रोड डिस्मैन्टलिंग 17.89 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 7.13 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 10.76 किमी0 रोड रेस्टोरेशन का कार्य प्रगति पर है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा चीफ मैनेजर, एन0सी0सी0 को तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए रोड़ रेस्टोरेशन का कार्य 01 सप्ताह का विशेष अभियान चलाकर पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

4. **एन0ओ0सी0**– अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 एन.सी.सी के एन0ओ0सी0 का विवरण निम्नवत् है–

Scanned with OKEN Scanner

- **रेलवे एन0ओ0सी0**– रेलवे के अन्तर्गत फर्म को 66 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 47 एन0ओ0सी0 रेलवे द्वारा प्राप्त हो चुकी है। शेष एन0ओ0सी0 प्रक्रियाधीन है।
- **एन0एच0ए0आई0**– एन0एच0ए0आई0 के अन्तर्गत फर्म को 07 फाइल के अन्तर्गत 26 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 04 नग एन.ओ.सी का एस्टीमेट रिसीव हुआ है एवं 04 नग एन.ओ.सी का एस्टीमेट का भुगतान किया जा चुका है। मात्र 02 नग एन0ओ0सी0 की परमीशन प्राप्त हो चुकी है।
- **एन0एच0(पी0डब्लू0डी)**– एन0एच0(पी0डब्लू0डी) के अन्तर्गत फर्म को 03 नग एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी अप्लाई कर दी गयी है सभी परमिशन प्राप्त हो चुकी है।
- **Yeida-** येडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसकी परमिशन प्राप्त हो चुकी है।
- **यूपीडा(UPEIDA)**– यूपीडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी फर्म द्वारा अप्लाई कर दी गयी है जिसका ज्वाइंट इन्सपेक्शन हो चुका है एवं एस्टीमेंट 22.04.2025 यूपीडा लखनऊ से अप्राप्त है।
- **सिंचाई विभाग**– सिंचाई विभाग के अन्तर्गत कुल 209 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है 207 नग एन.ओ.सी. हेतु ड्राइंग अधिशासी अभियंता लोअर खण्ड आगरा नहर, आगरा के यहाँ जमा करवा दी गयी हैं 90 एन.ओ. सी का एस्टीमेट प्राप्त हो चुका है। शेष एन.ओ0सी0 का सिंचाई विभाग से संबधित नहरों का डाटा लेकर जी.ए.डी की प्रकिया प्रकियाधीन है।
- **वन विभाग**– फॉरेस्ट विभाग के अन्तर्गत फर्म को 10 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसमें 06 एन0ओ0सी0 परिवेश पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 02 नग एन.ओ.सी प्राप्त हो चुकी है। इसके अतिरिक्त वाइल्ड लाइफ सैंचरी की एनओसी हेतु ज्वाइंट विजिट कर परिवेश पोर्टल पर ऑनलाइन अपलोड कराया जा रहा है।

चीफ मैनेजर, मै० एन०सी०सी० एपको (जे०वी०), आगरा द्वारा जिलाधिकारी महोदय को अवगत कराया गया कि वन विभाग एवं एन०एच०ए०आई० से एन०ओ०सी० प्राप्त न होने के कारण लगभग 400 कि०मी० पाइपलाइन लेइंग कार्य प्रभावित हो रहा है। इस पर अधिशासी अभियन्ता द्वारा बताया गया कि समस्त एन०ओ०सी० हेतु आवेदन प्रस्तुत कर दिए गए हैं तथा शीघ्र स्वीकृति प्राप्त करने के प्रयास किए जा रहे हैं। जिलाधिकारी महोदय द्वारा निर्देशित किया गया कि यदि जिला स्तर से किसी विशेष कार्यवाही की आवश्यकता हो तो उसे तत्काल संपादित कराया जाएमै० एन.सी.सी के चीफ मैनेजर को निर्देशित किया गया कि शेष बची हुई सम्बन्धित विभागों की NOC तत्काल अप्लाई करें।

मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0, पैकेज–02

1. **अवर जलाशय (OHT) की प्रगति**– अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजीनियरिंग द्वारा अभी तक 407 के सापेक्ष मात्र 380 ओ0एच0टी0 पर कार्य प्रगति पर है। जिसमें 24 नग पर खुदाई कार्य पूर्ण, 129 नग पर पी0सी0सी0 कार्य पूर्ण, 08 नग पर राफ्ट कार्य, 136 नग पर जी.एल लेवल तक कार्य, 46 नग पर स्टेजिंग कार्य, 43 नग पर स्लैब कार्य तथा 10 नग पर आर0सी0सी0 डॉम कार्य प्रगति पर है। जिसकी भौतिक प्रगति 49 प्रतिशत है। अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि इनकी मैनपावर कम है जिससे निर्माण कार्य अत्यन्त धीमी गति से हो रहा है जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा नाराजगी प्रकट करते हुए मै0 मेघा इंजी0 के प्रोजेक्ट मैनेजर श्री अमित कुमार रॉय, प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपायर बढ़ायें एवं कार्य को ससमय गुणवत्ता के साथ पूर्ण करें तथा शेष बची हुई 27 ओएचटी पर शीघ्र कार्य प्रारम्भ करायें।

2. **पाइप लेइंग**– अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि पाइप लेइंग के अन्तर्गत कुल 7567.76 किमी पाइप बिछाये जाने का लक्ष्य है जिसमें से कुल 6033.00 किमी0 पाइप की आपूर्ति की जा चुकी है तथा कुल 4278.00 किमी पाइप लाइन बिछाये जाने का कार्य पूर्ण हो चुका है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देशित किया गया कि यह शेष डिस्ट्रीब्यूशन पाइप की आपूर्ति को

Scanned with OKEN Scanner

लक्ष्य के सापेक्ष पूर्ण कराना सुनिश्चित करें तथा टीम व मैन पावर की संख्या बढ़ाते हुए गुणवत्ता मानकों का पालन कराते हुए कार्य कराना सुनिश्चित करें। अधोहस्ताक्षरी द्वारा अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण) को निर्देशित किया गया कि पाइप लाइन बिछाये जाने के दौरान एवं पाइप लाइन बिछाये जाने के उपरांत रैण्डम आधार पर गहराई चेक करें।

3. **एफ0एच0टी0सी0 की स्थिति–** अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद आगरा में कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजीनियरिंग को 810 राजस्व ग्रामों में कुल 296833 एफ0एच0टी0सी0 का लक्ष्य निर्धारित किया गया है जिसके सापेक्ष संस्था द्वारा 111987 एफ0एच0टी0सी0 कनेक्शन दिये गये। विगत 01 वर्ष से नल संयोजन में कोई प्रगति नहीं हुई है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देश दिया कि मशीनरी व लेबर की संख्या बढ़ाते हुए नल संयोजन की गति को तीव्र कराए। हाउस टैप कनेक्शन को घर के अन्दर तक पहुंचाया जाए एवं स्कूलों, पंचायतों भवनों आंगनवाडी केन्द्रो व अन्य सरकारी भवनो पर भी नियमानुसार नल संयोजन कराये जाए तथा यह भी सुनिश्चित किया जाए कि किसी भी ग्राम पंचायत एवं राजस्व ग्राम का कोई मजरा छूट ना पायें एवं प्रत्येक दशा में एफ0एच0टी0सी0 कनेक्शन घर के अन्दर ही हो एवं सही तरीके से क्लेपिंग व ज्वाइंटिंग की जायें।

4. **रोड़ रेस्टोरेशन–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि कार्यदायी संस्था मै0 मेघा इंजी0 के द्वारा रोड़ डिस्मेन्टलिंग 1302.23 किमी की गयी है जिसके सापेक्ष में 1192.93 किमी कार्य पूर्ण किया जा चुका है। शेष 109.30 किमी0 रोड़ रेस्टोरेशन का कार्य लंबित है। जिस पर अद्योहस्ताक्षरी द्वारा प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देशित किया गया कि तत्काल मैनपावर व मशीनरी बढ़ाते हुए रोड़ रेस्टोरेशन का कार्य पूर्ण कराना सुनिश्चित करें।

5. **नॉन–कंप्लायंस रिपोर्ट–** टी0पी0आई के डीपीएम द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजीनियरिंग को कुल 181 एन0सी0 लगायी गयी थी जिसमें से 121 एन0सी0 का अनुपालन हो गया है। वर्तमान में 60 (क्रिटिकल–42 एवं मेजर–14 माइनर–04) एन0सी0 अभी लंबित है जिनको अभी तक कार्यदायी संस्था द्वारा पूर्ण नहीं की गयी है। टी.पी.आई द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजी द्वारा एन.सी क्लोज नहीं की जा रही है जिससे गुणवत्ता प्रभावित हो रही है। जिस पर अद्योहस्ताक्षरी द्वारा मै0 मेघा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि जल्द से जल्द लंबित एन0सी0 नियमानुसार क्लोज कराये। यदि गुणवत्ता में कमी पायी जाती है तो कठोर कार्यवाही की जायेगी। टीपीआई एवं जल निगम ग्रामीण के सहायक अभियंता/अवर अभियंताओं द्वारा स्थलीय सत्यापन कर निरीक्षण आख्या अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम ग्रामीण को प्रेषित करें तथा अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) यह सुनिश्चित करें कि गुणवत्ता में कमी न हो।

6. **एन0ओ0सी0–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 मेघा इंजी0 द्वारा एन0ओ0सी0 के कार्यों में रूचि नही ली जा रही है। एन0ओ0सी0 का विवरण निम्नवत् है–
   - **रेलवे एन0ओ0सी–** रेलवे के अन्तर्गत फर्म को 59 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 36 एन0ओ0सी0 रेलवे द्वारा प्राप्त हो चुकी है, 03 नग एन. ओ.सी DFCCIL द्वारा स्थलीय निरीक्षण किया जाना है। 06 नग एन.ओ.सी की फर्म द्वारा BG जमा किया जाना है जो कि पिछले 15 दिनों से लंबित है। 14 नग एन.ओ.सी पुनः सर्वे करके फर्म द्वारा अप्लाई किया जाना है।
   - **एन0एच0ए0आई0(NHAI)–** एन0एच0ए0आई0 के अन्तर्गत फर्म को 06 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है जिसके अन्तर्गत सभी एन0ओ0सी पोर्टल पर अप्लाई कर दी गयी है। 03 एन0ओ0सी0 के एस्टीमेट प्राप्त हो चुके है एवं राशी का भुगतान किया जा चुका है। एन0एच0ए0आई0 द्वारा 01 नग एन0ओ0सी का बैंक गारंटी जमा किया गया है, जिसका की बैंक द्वारा बैंक गारंटी का वेरीफिकेशन प्रकियाधीन है।
   - **एन0एच0(पी0डब्लू0डी)–** एन0एच0(पी0डब्लू0डी) की फर्म द्वारा 01 नग एन0ओ0सी0 जिसके अन्तर्गत 42 क्रासिंग है जो कि पत्र द्वारा दिनांक 13.01.2026 अप्लाई कर दी गयी है, जो कि अधीक्षण अभियंता, कानपुर पर लंबित है।

Scanned with OKEN Scanner

- **Yeida-** येडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी0 फर्म द्वारा अप्लाई की गयी है जिसकी परमिशन प्राप्त हो चुकी है एवं कार्य भी प्रगति पर है।
- **यूपीडा(UPEIDA)–** यूपीडा के अन्तर्गत 01 नग एन0ओ0सी फर्म द्वारा अप्लाई कर दी गयी है जिसका ज्वाइंट इन्सपेक्शन हो चुका है एवं एस्टीमेंट 22.04.2025 यूपीडा लखनऊ से अप्राप्त है।
- **सिंचाई विभाग–** सिंचाई विभाग के अन्तर्गत कुल 183 एन0ओ0सी0 की आवश्यकता है 70 नग एन.ओ.सी. हेतु ड्राइंग अधिशासी अभियंता लोअर खण्ड आगरा नहर, आगरा के यहाँ जमा करवा दी गयी हैं शेष प्रकियाधीन हैं। 70 एन.ओ.सी का एस्टीमेट प्राप्त हो चुका है। शेष एन.ओ0सी0 का सिंचाई विभाग से संबधित नहरों का डाटा लेकर जी.ए.डी की प्रकिया प्रकियाधीन है। 90 एन.ओ.सी का एस्टीमेट प्राप्त हो चुका है। शेष एन.ओ0सी0 का सिंचाई विभाग से संबधित नहरों का डाटा लेकर जी.ए.डी की प्रकिया प्रकियाधीन है।
- **वन विभाग–** फॉरेस्ट विभाग के अन्तर्गत फर्म द्वारा 01 नग एन.ओ.सी परिवेश पोर्टल पर अप्लाई की गयी है जिसके अन्तर्गत 10 नग कांसिग/समानान्तर बिछाये जाने हेतु जरूरत है। इसके अतिरिक्त वाइल्ड लाइफ सेंचरी की एन.ओ.सी के.एम.एल फाइल में करेक्शन करके पुनः अपलोड कर दी गयी है। वाइल्ड लाइफ/चम्बल सेंचुरी की एन.ओ.सी के लिये परिवेश पोर्टल पर 05.05.2026 को संशोधित कर प्रपोजल पुनः अपलोड़ कर दिया गया है।

अतः मै0 मेघा इंजी0 के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि शेष बची हुई सम्बन्धित विभागों की NOC तत्काल अप्लाई करें।

मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0। (O&M)

1. **संचालन एवं रखरखाव–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि मै0 दारा इंजीनियरिंग को जनपद आगरा की 89 नग पेयजल योजनाओं के संचालन एवं रखरखाव हेतु दिनांक 01.05.2025 को शासन द्वारा अनुबन्धित किया गया है। जिसके अन्तर्गत फर्म को पेयजल योजनाओं का प्राक्कलन तैयार कर अधिशासी अभियंता जल निगम (ग्रामीण) कार्यालय में जमा करा दिया गया है। जिसमें 73 नग पेयजल योजनाऐं आंशिक क्रियाशील एवं 16 नग पेयजल योजनाऐं बंद थी।

2. **आच्छदित मजरों में एफ.एच.टी.सी.की स्थिति–** अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जनपद आगरा की O&M के अन्तर्गत 89 नग पेयजल योजनाओं को कुल 101728 एफ.एच.टी.सी है। वर्तमान में 86328 नग नल कनेक्शनों के सापेक्ष में मात्र 20528 नग नल कनेक्शनों के माध्यम से जलापूर्ति की जा रही है। 89 नग पेयजल योजनाओं में 417 मजरे शामिल है जिसमें से मात्र 117 मजरों में आंशिक रूप से पानी की जलापूर्ति की जा रही है। जिस पर अधोहस्ताक्षरी द्वारा गहरी नाराजगी व्यक्त की गयी। अधिशासी अभियंता, उ0 प्र0 जल निगम(ग्रामीण) एवं मै0 दारा इंजीनियरिंग के प्रोजेक्ट मैनेजर को निर्देशित किया गया कि जलापूर्ति में आने वाली सभी कमियों को नियमानुसार दूर कराते हुए सभी मजरों में जल्द से जल्द जलापूर्ति की जायें।

3. <u>जलापूर्ति सम्बन्धी शिकायत/निस्तारण की स्थिति–</u> अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि फर्म के हेल्प लाइन नं 0562–4336113 पर माह अप्रैल 2026 तक प्राप्त 356 जलापूर्ति सम्बन्धी शिकायतें प्राप्त हुई जिसमें से फर्म द्वारा 307 जलापूर्ति सम्बन्धी शिकायतों का निस्तारण कर दिया गया है। अधोहस्ताक्षरी द्वारा निर्देश दिये गये हैं कि ग्रीष्म ऋतु चल रही है। जहाँ–जहाँ जलापूर्ति की समस्या बनी हुई है वहाँ तत्काल समस्याओं का निस्तारण कर जलापूर्ति करना सुनिश्चित करें।

उ0प्र0 जल निगम ग्रामीण (वि0/यॉ0)– अधिशासी अभियंता (वि0/या0) उ0प्र0 जल निगम द्वारा बताया गया कि पैकेज–1 के अन्तर्गत समस्त पम्पस, ट्रांन्सफार्मर, वाल्व, पी.एल.सी. स्काडा सिस्टम, इलैक्ट्रो मैग्नेटिक फ्लोमीटर, ऑटोमैटिक क्लोनीरेशन सिस्टम, एल.टी. व एच.टी. पैनल एवं केबिल के ऑर्डर प्लेस हो गये है जिसके सापेक्ष समस्त 108 नग पम्पस, 143 नग चेक वॉल्व, 242 नग वाल्स 36 नग ट्रांन्सफार्मर, 251 नग प्रेशर गेज, एच.टी. पैनल, डबल पोल स्ट्रक्चर एवं एल.टी., एच.टी. केबिल व एल.टी पैनल एन.सी.सी. के स्टोर में आ गये हैं। डी.जी. सेट का ऑर्डर प्लेस करना शेष है। बरौली अहीर, खन्दौली, सैंया सी.डब्लू.आर एवं यू0जी0आर0 पर वि0/यॉ0 यंत्र संयत्रों का अधिष्ठापन कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है। योजनान्तर्गत प्रस्तावित कुल 18 नग विद्युत सयोजनों

Scanned with OKEN Scanner

के.प्राक्कलन की धनराशि संबंधित विद्युत विभाग में जमा करा दी गयी है तथा 13 नग विद्युत संयोजनों पर विद्युत विभाग द्वारा कार्य प्रारम्भ करा दिया गया है, शेष 05 नग विद्युत संयोजनों हेतु एन.एच.ए. आई/वन विभाग से एन.ओ.सी प्राप्त करना फर्म स्तर पर लंबित है। पैकेज–2 के अन्तर्गत उपकरणों का विभाग द्वारा अवलोकन कर संशोधित डिजाइन–ड्रॉइंग उपलब्ध कराने हेतु मै0 मेघा इंजीनियरिंग को निर्देशित किया गया।

उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) साइट निरीक्षण– अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत निर्माणाधीन CWR, Rising Main, Feeder Main, OHT, Distribution Pipe laying, Hydrotesting इत्यादि के कार्यों का टीपीआई व जल निगम द्वारा सतत निरीक्षण किया जा रहा है। जिस पर अद्योहस्ताक्षरी द्वारा अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया गया कि वह अपने सहायक अभियंता, अवर अभियंताओं एवं स्वयं नियमित रूप से समस्त कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करें एवं अद्यतन सूचनाओं से अवगत रहे तथा कार्यों में आ रही किसी भी प्रकार के व्यवधान को तुरंत निस्तारित कराना सुनिश्चित करें। यदि किसी भी प्रकार की कमी पायी जाती है तो तत्काल अधिशासी अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण) व अद्योहस्ताक्षरी को सूचित करें।

जिला परियोजना एवं अनुश्रवण इकाई (DPMU)

1. अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण) द्वारा बताया गया कि जल जीवन मिशन के अन्तर्गत जनपद आगरा मे जिला परियोजना एवं अनुश्रवण इकाई मै0 मेधज टैक्नो कॉन्सेप्ट प्रा0 लि0 के 08 कर्मचारी कार्यरत है इनके द्वारा वर्तमान में जल सेवा आकलन 2025 के अन्तर्गत ग्राम पंचायत स्तर पर वी.डब्लू.एस.सी की बैठकों का आयोजन कराते हुये सम्बन्धित स्कीम का आकलन अवर अभियंता व ग्राम पंचायत सेकेटरी के सहयोग से जे.जे.एम. 2.0 पोर्टल पर अपलोड कराया जा रहा है। इसके साथ ही जल महोत्सव का कार्यक्रम कराकर पोर्टल पर अपलोड कराया जा रहा है।
2. ग्राम पंचायत स्तर पर चयनित पॉच जल जॉच सखियों को एफ.टी.के किट का वितरण करते हुये उन्हें जल जॉच का प्रशिक्षण देना एवं उनके द्वारा किये गये जल जॉच के भुगतान हेंतु उनकी जानकारी एकत्रित कर रिपोर्ट पोर्टल पर अपलोड कराया जाता है। वित्तीय वर्ष 2024–25 में जनपद आगरा में कुल 1841 फील्ड टैस्ट किट के यूजर महिलाओं के सापेक्ष में 1386 महिलाओं को जल जॉच भुगतान किया जा चुका है। शेष 455 महिलाओं के भुगतान की कार्यवाही प्रगति पर है।
3. ग्राम पंचायत प्रधान एवं सेकेटरी के ई–ग्राम स्वराज पोर्टल के लॉगिन आई.डी का प्रयोग कराते हुये उनके द्वारा जल जीवन मिशन के जे.जे.एम. 2.0 पोर्टल पर लॉगिन कराये जाने का कार्य किया जा रहा है।
4. ब्लॉक स्तर पर बीडीओ, एडीओ (पंचायत) और प्रधान जी से समन्वय स्थापित करते हुये नल जल मित्र कार्यक्रम के अन्तर्गत सभी ग्राम पंचायतों से ग्राम प्रधान द्वारा प्रमाणित 02 नल जल मित्र का नामांकन कराते हुये सूचना को जे.जे.एम. पोर्टल पर अपलोड कराया जा रहा है।
5. एन.जे.जे.एम सी.एन.ओ और बॉश एक्सपर्ट के जनपद भ्रमण के दौरान परियोजनाओं के स्थलीय निरीक्षण के समय उपस्थित रहकर भ्रमण में सहयोग कराते हुये ग्राम पंचायत स्तर पर ग्राम प्रधान की उपस्थिति में वी. डब्लू.एस.सी बैठकों का आयोजन एवं एफ.टी.के प्रशिक्षण प्राप्त 05 महिलाओं द्वारा जल जॉच का प्रदर्शन का कार्य कराया जाता है।
6. समय समय पर एस.डब्लू.एस.एम द्वारा निर्देशित विभिन्न गतिविधियों जैसे "जल सहेलियों की अविरल निर्मल यमुना बचाओ" यात्रा, हर घर तिरंगा कार्यक्रम एवं जिला स्तर पर जन चौपाल एवं ग्रीन चौपाल इत्यादि कार्यक्रमों को सफल बनाया गया।

जिलाधिकारी महोदय द्वारा कार्य की धीमी प्रगति पर नाराजगी व्यक्त की गई। इस पर अधिशासी अभियन्ता द्वारा अवगत कराया गया कि जे० जे०एम०–2 के दिशा–निर्देशों के अनुसार योजनान्तर्गत समस्त कार्यों को पूर्ण करने की प्रस्तावित तिथि 31 दिसम्बर, 2027 निर्धारित है। मै० मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि० द्वारा एक "माइक्रो प्लान" प्रस्तुत किया गया है, जिसके अनुसार योजना को निर्धारित समयावधि में पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

Scanned with OKEN Scanner

जिलाधिकारी महोदय द्वारा अधिशासी अभियंता उ0 प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा को निर्देशित किया गया कि प्रस्तुत माइक्रो प्लान के सापेक्ष प्रगति की नियमित समीक्षा की जाये तथा प्रगति योजना के अनुरूप न पाये जाने पर अनुबंध की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत आवश्यक कार्यवाही सुनिश्चित की जायें। इसके साथ ही समस्त ग्रामीण क्षेत्रों के विद्यालयों, आंगनबाड़ी केन्द्रों एवं कम्युनिटी हेल्थ सेंटरों में नल संयोजन सुनिश्चित किए जाने के निर्देश दिए गए। मै0 एन.सी.सी–एप्पको(जे.वी.) एवं मै0 मेघा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0 को शेष बची हुई सम्बन्धित विभागों की एन.ओ.सी को तत्काल अप्लाई करने के निर्देश दिये। मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0 को निर्देश दिये कि वह अपनी कार्यशैली में सुधार करते हुये मरम्मत एवं रिप्लेयरिंग कार्य कर सभी योजनाओं को क्रियाशील शीघ्र करें। अन्त में निर्देशित किया गया कि समस्त कार्य अनुबन्धानुसार गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखते हुये समयान्तर्गत पूर्ण करायें।

अपर जिलाधिकारी
नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति
आगरा।

कार्यालय जिलाधिकारी आगरा।

(नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति)

पत्रांक 530 /जे0जे0एम0/का0वृ0/बैठक/84 दिनांक 06/06/2026

प्रतिलिपि:– निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित।

1. अधिशासी निदेशक महोदय, राज्य पेयजल एवं स्वच्छता मिशन, लखनऊ को सादर अवलोकनार्थ।
2. जिलाधिकारी महोदय, आगरा को सादर सूचनार्थ।
3. मुख्य विकास अधिकारी महोदया, आगरा।
4. अधिशासी अभियंता, उ0प्र0 जल निगम (ग्रामीण), आगरा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि सतत पर्यवेक्षण करते हुए गुणवत्ता मानकों को लागू कराते हुए अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।
5. अधिशासी अभियंता, उ0प्र0 जल निगम (वि0/यॉ0), आगरा को इस निर्देश के साथ जहॉ–जहॉ सिविल कार्य पूर्ण हो चुका है वहां पर E&M के उपकरण/मशीनरी की आपूर्ति कराकर शीघ्र ही इन्स्टॉलेशन का कार्य प्रारम्भ कराये।
6. समस्त सहायक अभियंता उ0प्र0 जल निगम(ग्रामीण), आगरा इस निर्देश के साथ प्रेषित कि वह स्वंय अपने–अपने क्षेत्रों में जाकर अपने पर्यवेक्षण में गुणवत्ता एवं मानकों का कडाई से अनुपालन कराना सुनिश्चित करें।
7. टीम लीडर/डी0पी0एम0, फिशनर कन्सल्टिंग इंजीनियर्स (इण्डिया) प्रा0 लि0 आगरा को इस निर्देश के साथ प्रेषित कि अपने पर्यवेक्षण करते हुए गुणवत्ता मानकों का विशेष ध्यान रखें।
8. जिला समन्वयक, जिला परियोजना अनुश्रवण इकाई (डी0पी0एम0यू0), आगरा को अनुपालनार्थ।
9. जे0जी0एम0, मैसर्स एन0सी0सी0 एपको (जे0वी0) (पैकेज–1), आगरा को अनुपालनार्थ।
10. प्रोजेक्ट मैनेजर, मैसर्स मेघा इंजी0 एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर लि0 (पैकेज–2), आगरा को अनुपालनार्थ।
11. प्रोजेक्ट मैनेजर, मै0 दारा इंजीनियरिंग एण्ड इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा0 लि0, आगरा को इस निर्देश के साथ नियमानुसार योजनाओं का संचालन कराना सुनिश्चित करे।

06/06/2026

अपर जिलाधिकारी
नमामि गंगे तथा ग्रामीण जलापूर्ति
आगरा।

Scanned with OKEN Scanner